an>

Title: Need to clear the payment due to the sugarcane growing farmers.

डॉ. सत्यपाल सिंह (बागपत) : उपाध्यक्ष महोदय, देश के किसानों की और विशेष रूप से गन्ना उत्पादक किसानों की हालत अत्यंत गंभीर है। उत्तर प्रदेश के अंदर अभी भी पिछले वर्ष का लगभग 2300 करोड़ रुपये गन्ना किसानों को भुगतान करना बाकी है। मेरे लोक सभा क्षेत्र बागपत में सबसे बड़ा दोषी मिल मालिक मोदी है, जो मलकपुर और मोदीनगर में दो चीनी मिलें चलाता है। मलकपुर चीनी मिल सन् 1998 में बनी और तब से लेकर आज तक, उसने कभी भी चालू वर्ष में गन्ना किसानों का भुगतान नहीं किया। अभी मलकपुर मिल के 211 करोड़ रुपये, मोदीनगर मिल के 128 करोड़ रुपये और किनौनी मिल के 26 करोड़ रुपये का भुगतान करना बाकी है। मेरे लोक सभा क्षेत्र में लगभग 365 करोड़ रुपये के गन्ने का भुगतान बकाया है। उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट, इलाहाबाद के आदेश के बावजूद भी किसानों का भुगतान नहीं पा रहा है। किसानों की हालत अत्यंत नाजुक है, बीमारों का इलाज नहीं हो रहा है, जवान लड़कियों की शादी नहीं हो रही है, बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है। इसलिए भारत सरकार ने जो ब्याज रहित 6000 करोड़ रुपये मिल मालिकों को देने का प्रस्ताव किया था, मोदी मिल उस प्रावधान की शर्तों पर खरा नहीं उतरती है। गांवों के भोले-भाले लोगों को यह नहीं मालूम है कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार में क्या फर्क है, इसलिए केन्द्र सरकार से लोगों को बहुत उम्मीद है। क्या भारत सरकार इस विषय में विशेष ध्यान देकर गन्ना किसानों को भुखमरी के मुंह में जाने से बचाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई करेगी? किसानों के बारे में कब पूरा सदन, सरकार व विरोधी पक्ष एक होकर कुछ ठोस निर्णय लेंगे? देश के विकास का रास्ता किसानों की खुशहाली से होकर ही निकलता है। किसानों को भूल जाना आगे आने वाले समय में खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के समान होगा।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri P.P. Chaudhary, and Shri Keshav Prasad Maurya are permitted to associate with the issue raised by Shri Satyapal Singh.